A–0283

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-603

MA Jyotish (MAJY)

(ज्योतिष प्रबोध-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अयनांश किसे कहते हैं ? अयनांश की वार्षिक गति क्या है ? अयनांश उत्पत्ति के सिद्धान्तों का प्रतिपादन कीजिए।

2. अक्षक्षेत्रों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. आर्यभट्ट के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. श्रीपति एवं बटेश्वर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का विस्तृत प्रतिपादन कीजिए।

5. भास्कराचार्य के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. केशव दैवज्ञ का जीवन परिचय दीजिए।

2. पलभा को परिभाषित करते हुए स्वदेशीय उदयमान के साधन विधि को लिखिए।

3. अक्षांश एवं लंबांश का शून्यत्व एवं परमत्व कहाँ होता है ? विवेचन कीजिए।

4. सुधाकर द्विवेदी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का विवेचन कीजिए।

5. पाश्चात्य मत के अनुसार दिक् साधन विधि का वर्णन कीजिए।

6. नीलाम्बर झा का जीवन परिचय दीजिए।

7. लग्नानयन के क्रम में प्रयुक्त होने वाले भुक्तांश, भोग्यांश, शुद्धराशि एवं अशुद्धराशि को परिभाषित कीजिए।

8. वराहमिहिर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का विवेचन कीजिए।

****